मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSKE–009

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.ई.-009 : वेद : वैदिक संहिताएँ और वैदिक व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उत्तर दीजिए। उत्तर का माध्यम हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत एक ही भाषा होनी चाहिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. ऋक्, यजुस्, साम और अथर्ववेद संहिता का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

2. वेद और उपवेद का अर्थ बताते हुए उनकी शाखाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. वेदों के दार्शनिक चिन्तन को स्पष्ट करते हुए वेदों की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।

4. वैदिककालीन भौगोलिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी सामाजिकता व आर्थिक स्थिति पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

5. अथर्ववेद का वर्णन करते हुए कालसूक्त के मन्त्रों की विषय-वस्तु का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

6. वेदों में वर्णित काव्य-सौन्दर्य एवं ललित कलाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

7. शुक्लयजुर्वेदीय प्रजापति सूक्त की विषय-वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

8. वरुण सूक्त की विषय–वस्तु पर प्रकाश डालिए।

9. पवमान पर्व सूक्त की विषय–वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

10. इन्द्र सूक्त की विषय–वस्तु का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

11. वैदिक संस्कृति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

12. विश्वे देवा सूक्त की विषय–वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

13. वैदिक स्वरों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

14. 'निरुक्त' पर विस्तृत रूप से लिखिए एवं त्रिविध ऋचाओं को स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×